OMS 17/5/25

कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी, लखनऊ।

पत्रांक : 590 / AM-6-A /// दिनांक : 07/05/2025

1004
15/5/25

दिनाँक 21.04.2025 को आयोजित जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक का कार्यवृत्त :–

जल जीवन मिशन 'हर घर जल' कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्रों की पाइप पेयजल योजनाओं के कार्यो की प्रगति हेतु दिनांक 21.04.2025 को कलेक्ट्रेट सभागार, लखनऊ मे जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता मे आहूत बैठक में निम्नलिखित अधिकारियों / फर्म प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया :–

1. श्री मनोज कुमार मौर्य, अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
2. श्री अमित वर्मा, सहायक अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
3. श्री अवधेश कुमार, सहायक अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
4. श्री विवेक सिंह, सहायक अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
5. श्री संदीप यादव, सहायक अभियन्ता (वि0/यॉ0), खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
6. श्री मो0 ताबिश, जूनियर इंजीनियर, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
7. श्री हरपाल सिंह, जिला समन्वयक, डी0पी0एम0यू0, लखनऊ।
8. श्री सुमित भटनागर, सी0बी0 एण्ड टी0, डी0पी0एम0यू0, लखनऊ।
9. श्री सुब्बा राजू, एस0पी0एम0, मै0 एन0सी0सी0लि0, लखनऊ।
10. श्री रामा राजू, एस0पी0एम0, मै0 एन0सी0सी0लि0, लखनऊ।
11. श्री हरि कृष्णा, प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 एन0सी0सी0लि0, लखनऊ।
12. श्री प्रवीण ठाकरे, डी0टी0एल0, मै0 सेन्सिस टेक लि0, लखनऊ।
13. श्री माधव सिंह, जी0आई0एस0, डी0पी0एम0यू0, लखनऊ।
14. श्री पवन कुशवाहा, एम0आई0एस0, डी0पी0एम0यू0, लखनऊ।
15. श्री कुलदीप त्रिपाठी, फाइनेन्स, डी0पी0एम0यू0, लखनऊ।

All (A.E'S)

Ex.En
19/May/2025

समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त निम्नानुसार हैं–

- समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियन्ता, जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद लखनऊ हेतु नामित फर्म मै0 एन0सी0सी0लि0, हैदराबाद द्वारा जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप पेयजल योजना से असंतृप्त 669 नग राजस्व ग्रामों के संतृप्तिकरण हेतु कुल 376 नग पेयजल योजनाओं पर निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि 06 नग पेयजल योजनाएं जिनमे 02 ग्राम पंचायत सम्मिलित कर योजनाए बनायी गयी है, जिस ग्राम पंचायत मे शिरोपरि जलाशय नही बनाया गया है, उस ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/ग्रामवासियों द्वारा कार्य प्रारम्भ नही करने दिया जा रहा है, जिस कारण पेयजल योजना का निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। अधिशसी अभियन्ता को निर्देश दिए गए कि पंचायती राज अधिकारी से सम्पर्क एवं समन्वय स्थापित कर उन ग्राम प्रधानों को नोटिस भेजने हेतु पत्रावली प्रस्तुत की जाए।

(कार्यवाही – जिला पंचायत राज अधिकारी/अधिशासी अभियन्ता)

- समीक्षा बैठक में यह पाया गया कि 441 नग नलकूप के सापेक्ष 439 नग कार्य पूर्ण, 441 नग पम्प गृह के सापेक्ष 434 नग कार्य पूर्ण, 380 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष मात्र 167 नग कार्य पूर्ण, वितरण प्रणाली 4940 कि0मी0 के सापेक्ष 4838 कि0मी0 कार्य पूर्ण, 218809 नग गृह संयोजन के सापेक्ष 211671 नग कार्य पूर्ण, 669 राजस्व ग्रामों मे सड़क पुर्नस्थापना के कार्यों के सापेक्ष 571 राजस्व ग्राम मे कार्य पूर्ण एवं 669 नग राजस्व ग्रामों में हर घर जल प्रमाणीकरण के सापेक्ष 198 नग राजस्व ग्राम ही सत्यापित हो सके हैं।

EE Jalnigam

मुख्य विकास अधिकारी लखनऊ।
15.05.25

उपरोक्तानुसार यह प्रतीत होता है कि शिरोपरि जलाशय, सड़क पुर्नस्थापना एवं हर घर जल प्रमाणीकरण के कार्यो मे कार्यदायी संस्था द्वारा काफी शिथिलता बरती गयी है। समस्त सहायक अभियन्ता को निर्देश दिए गए कि अपने–अपने क्षेत्र के सभी ग्रामों का निरीक्षण कर लें, जिन सड़को का पुर्नस्थापना कार्य अवशेष है/जो पुर्नस्थापना के बाद घंस गयी उनको लिखित रूप से फर्म को अवगत कराकर नियमित अनुश्रवण करते हुए हर हाल मे 15 दिवस के अन्दर ठीक करा लें।

(कार्यवाही – कार्यदायी फर्म/अधिशासी अभियन्ता)

- समीक्षा बैठक में टी0पी0आई0 द्वारा अवगत कराया गया कि 669 नग राजस्व ग्रामों के सापेक्ष 584 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है, परन्तु मात्र 410 नग राजस्व ग्रामों मे ही क्लोरीनयुक्त जलापूर्ति की जा रही है, जो उचित नही है। फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि 15 दिवस के अन्दर समस्त योजनाओं पर क्लोरीन प्लान्ट स्थापित करते हुए क्लोरीनयुक्त जलापूर्ति सुनिश्चित करायी जाये। यदि पानी की गुणवत्ता के दृष्टिगत किसी प्रकार की शिकायत/ पानी पीने से कोई बीमारी होती है, तो फर्म के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

(कार्यवाही – कार्यदायी फर्म)

- समीक्षा बैठक मे अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि प्रस्तावित 380 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष वर्तमान तक मात्र 167 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य शतप्रतिशत पूर्ण हुआ है। अवशेष शिरोपरि जलाशय का कार्य विभिन्न स्तरो पर है। शिरोपरि जलाशय के कार्यो को पूर्ण करने हेतु 1200 नग श्रमिकों की प्रतिदिन आवश्यकता है, परन्तु फर्म द्वारा कार्य स्थल पर 500 नग श्रमिक ही लगाये गये है। इस प्रकार 02 वर्ष से अधिक का समय व्यतीत हो जाने के उपरान्त भी शिरोपरि जलाशय के कार्य न पूर्ण होना, कार्य स्थल पर सामाग्री/मैन पावर की कमी को दर्शाता है। शिरोपरि जलाशय के कार्यो मे फर्म के प्रतिनिधि को निर्देश दिए गए कि 03 दिवस के अन्दर आवश्यक 1200 नग श्रमिक कार्यस्थल पर उपलब्ध कराते हुए अवशेष शिरोपरि जलाशय को पूर्ण करने हेतु कार्य योजना बनाकर अधिशासी अभियन्ता को उपलब्ध कराते हेतु तीव्र गति से गुणवत्तापूर्वक शिरोपरि जलाशय के कार्यो मे प्रगति लाए। इसमे किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही है।

(कार्यवाही – कार्यदायी फर्म/अधिशासी अभियन्ता)

- समीक्षा बैठक में टी0पी0आई0 द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यो की गुणवत्ता/प्रगति से सम्बन्धित 3650 नग एन0सी0 फर्म को उपलब्ध करायी जा चुकी है, परन्तु वर्तमान तक 3240 नग एन0सी0 (88.76 प्रतिशत) ही क्लोज की गयी है, जिसकी प्रगति काफी कम है। अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि टी0पी0आई0 से प्राप्त एन0सी0 की समीक्षा कर फर्म से अवशेष एन0सी0 को क्लोज कराना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही – कार्यदायी फर्म/अधिशासी अभियन्ता)

- समीक्षा बैठक में टी0पी0आई0 द्वारा अवगत कराया गया कि पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत दिये जाने वाले गृह संयोजन को घर के बाहर ही दिया जा रहा है, साथ ही कुछ कनेक्शन के पाइप नालियों से होकर गुजर रहे है, जिससे नालियों चोक होने एवं लीकेज होने पर प्रदूषित जल आने की प्रबल सम्भावना है। फर्म के प्रतिनिधि को घर के बाहर दिये गये कनेक्शन को घर के अन्दर करने एवं कनेक्शन हेतु डाले जा रहे पाइप को ठीक ढ़ग से कनेक्शन देने हेतु निर्देशित किया गया।

(कार्यवाही–टी0पी0आई0/कार्यदायी फर्म)

- समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि जिन योजनाओं पर बिटुमिनस रोड काटकर वितरण प्रणाली डाली गयी थी, उनमें सड़क पुर्नस्थापना के कार्यो मे प्रगति काफी धीमी है, फर्म के प्रतिनिधि को कड़े निर्देश दिए गए कि अवशेष बिटुमिनस सड़क पुर्नस्थापना कार्य हर हाल में 30 मई तक बारिश के मौसम के पहले पूर्ण करा लिए जाए।

(कार्यवाही–कार्यदायी फर्म)

- समीक्षा के दौरान फर्म के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि विकासखण्ड बी0के0टी0 में 16 नग पेयजल योजनाएं ऐसी है, जिनमे सड़क क्रास करने एवं लीकेज मरम्मत कार्य करने में पी0डब्लू0डी0 द्वारा अवरोध उत्पन्न किया जा रहा है। अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देश दिए गए कि अधिशासी अभियन्ता, पी0डब्लू0डी0 से व्यक्तिगत सम्पर्क स्थापित कर उक्त प्रकरण का निस्तारण कराना सुनिश्चित करे।

(कार्यवाही–कार्यदायी फर्म/अधिशासी अभियन्ता)

- बैठक में उपस्थित डी0सी0, डी0पी0एम0यू0 को निर्देशित किया गया कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत गठित ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति को क्रियाशील किया जाये तथा उन्हे पानी के दुरूपयोग रोकने, खराब पानी से होने वाली बीमारियों के प्रति जन मानस को जागरूक किया जाये।

(कार्यवाही–डी0सी0, डी0पी0एम0यू0)

Ajay

(अजय जैन)
मुख्य विकास अधिकारी
लखनऊ।

पृ0सं0 एवं दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. जिलाधिकारी महोदय, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।
2. जिला विकास अधिकारी, लखनऊ।
3. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
4. मै0 एन0सी0सी0लि0, लखनऊ।
5. टी0पी0आई0, मै0 सेन्सिस टेक लि0, लखनऊ।
6. डी0सी0, डी0पी0एम0यू0, लखनऊ।

मुख्य विकास अधिकारी
लखनऊ।